

प्रेषक,

मनीषा पवार,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
समाज कल्याण उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी, नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 13 अक्टूबर, 2008

विषय : चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक में समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत संचालित उत्तराखण्ड राज्य समाज कल्याण बोर्ड से सम्बन्धित अनुदान संख्या-30 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशियों की वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या : 267/XXVII/(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्ययक की अनुदान संख्या-30 के आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित धनराशि रु0 15.00 लाख /- (रु0 पन्द्रह लाख मात्र) की धनराशि संलग्नानुसार निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1. अनुदान के अन्तर्गत होने वाले सम्भावित व्यय की फंजिंग (ब्रेमास के आधार पर) अनिवार्य रूप से शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए, जिससे राज्य स्तर पर कैशप्लॉ निर्धारित किये जाने में किसी प्रकार की कठिनाई न उत्पन्न हो।
2. आय-व्ययक द्वारा व्यवस्थित उक्त धनराशि में से केवल स्वीकृत चालू योजनाओं पर ही व्यय किया जाए, और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए नहीं किया जाए।
3. उक्त आवंटित धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय करने से पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका के अन्तर्गत शासन या अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति आवश्यक हो तो ऐसा व्यय अपेक्षित स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाए।
4. यह व्यक्तिगत रूप से सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवश्यकतानुसार आवंटित धनराशि के प्रत्येक बिल में चाहें वो वेतन आदि के सम्बन्ध में हो अथवा आकस्मिक व्यय के सम्बन्ध में सम्पूर्ण मुख्य/लघु/उप तथा विस्तृत शीर्षक को अंकित किया जाए और प्रत्येक बिल में दाहिनी और लाल स्याही से अनुदान संख्या-30 "आयोजनेत्तर" शब्द स्पष्ट लिखा जाए, अन्यथा महालेखाकार कार्यालय में सही बुकिंग में बाधा होगी।
5. संलग्नक में वर्णित धनराशियों का समय से उपयोग करने के लिए यह भी सुनिश्चित कर ले कि धनराशि परिधिगत अधिकारियों को तत्काल अवमुक्त कर दी जाए, आवंटन एवं व्यय की स्थिति से यथासमय शासन को अवगत कराया जाए।
6. मितव्ययता के सम्बन्ध में नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। अवचनबद्ध मदों में व्यय करने से पूर्व शासनादेश संख्या : 267/XXVII/(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के क्रम में सक्षम स्तर पर अनुमोदन प्राप्त किया जाय।

7. यदि किसी अधिष्ठान/योजनाओं के अन्तर्गत अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता हो तो अतिरिक्त धनराशि की मांग का औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
 8. अप्रयुक्त धनराशि वित्तीय हस्तपुस्तिका के प्राविधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाए।
 9. समस्त उपकरण व संयंत्र का क्रय, वाहन का क्रय एवं कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय की स्वीकृतियों के लिए औचित्यपूर्ण प्रस्ताव शासन को पृथक से उपलब्ध करायें।
 10. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-30 के "आयोजनोत्तर पक्ष" में संलग्न तालिका में उल्लिखित लेखाशीर्षकों की सुसंगत प्राथमिक ईकाईयों के नामे डाला जायेगा।
 11. उपर्युक्त निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन अपने एवं अधीनस्थ स्तरों पर भी सुनिश्चित करें।
 12. यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा० संख्या : 276(NP) दिनांक 01 अक्टूबर, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- संलग्नक : यथोपरि।
- भवदीय

प्रधान संख्या : 501 / XVII-02 / 08-बजट 10(15)2008, तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड।
2. निजी सचिव, मा0 समाज कल्याण मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
2. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
3. मण्डलायुक्त, गढ़वाल/कुमाऊँ, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. श्रीमती सुजाता सौनिक, कार्यकारी निदेशक, केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, समाज कल्याण भवन, बी-12, कुतुब इस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली।
6. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
7. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
9. सचिव, उत्तराखण्ड राज्य समाज कल्याण बोर्ड, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
11. बजट, राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
13. समाज कल्याण, नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(धीरेन्द्र सिंह दताल)
उप सचिव।

अनुदान संख्या-30

आयोजनेत्तर

मतदेय

लेखाशीर्षक : 2225-01-001-06-00

मुख्य शीर्षक : 2225-अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य पिछड़े वर्गों का कल्याण

उप मुख्य शीर्षक : 01-अनुसूचित जातियों का कल्याण

लघु शीर्षक : 001-निर्देशन तथा प्रशासन

उप शीर्षक : 06-राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड (50% केन्द्र पोषित)

व्यौरेवार शीर्षक : 00

(धनराशि हजार रुपये में)

मानक मद	आबंटित धनराशि
20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता	1500
योग	1500

(रुपये पन्द्रह लाख मात्र)

(धनराशि हजार रु० में)

अनुदान संख्या 30 (आयोजनेत्तर) का महायोग	1500
---	------

(रु० पन्द्रह लाख मात्र)



(धीरेन्द्र सिंह दत्ताल)

उप सचिव।